हिमाचल अभी अभी

नई सोच नई खोज

साप्ताहिक

/himachal.abhiabhi @himachal_abhi

RNI No. HPHIN/2015/68432 वर्ष 10 अंक 13 कांगड़ा। शनिवार, 27 जुलाई-02 अगस्त, 2024 www.himachalabhiabhi.com तदनुसार 12 श्रावण, विक्रमी संवत् 2081 कुल पृष्ठ 12 मूल्य ₹5 | Postal Regn.No. DGPUR/26/24-26

कैबिनेट फैसले : शिक्षकों के तबादलों पर रोक, 460 स्कूल होंगे मर्ज -पढ़ें पेज 2

काशी विश्वनाथ मंदिर

काशी विश्वनाथ मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। यह 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है और शिव के सबसे पवित्र मंदिरों में से एक है। मंदिर के प्रमुख देवता श्री विश्वनाथ हैं, जिसका अर्थ है ब्रह्मांड के भगवान। ऐसी मान्यता है कि अगर भक्त एक बार इस मंदिर के दर्शन और पवित्र गंगा में स्नान कर ले तो मोक्ष की प्राप्ति होती है। काशी विश्वनाथ मंदिर अनादि काल से शैव दर्शन का केंद्र रहा है। इसे समय-समय पर कई मुस्लिम शासकों द्वारा ध्वस्त किया गया और उनमें अंतिम शासक औरंगजेब है। यहां तक कि इंदौर के महाराजा रणजीत सिंह ने भी 15.5 मीटर खंभों के चार सोने के निर्माण के लिए लगभग टन सोने का योगदान दिया था। मंदिर की वर्तमान संरचना महारानी अहिल्या बाई होल्कर द्वारा वर्ष 1780 में करवाई गई थी। ऐसा माना जाता है कि जब पूरी दुनिया अपने अंत के करीब होगी, बाबा विश्वनाथ यानी भगवान शिव अपने त्रिशूल की नोक पर काशी की रक्षा करेंगे। साथ ही, काशी की रक्षा करने के इस कृत्य का उल्लेख हिंदू पौराणिक कथाओं में उर्ध्वमनय के रूप में किया गया है। मंदिर के शीर्ष पर लगे सुनहरे छत्र के दर्शन करने से हर मनोकामना पूरी होती है। छत्र को मंदिर के समान ही पवित्र माना जाता है।

■ पं. कुलदीप शास्त्री